पूर्वांचल प्रवेशिका

भाग - 1

पूर्वांचल प्रवेशिका

भाग-1

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन

लखनऊ–226005 (उ० प्र०)

पूर्वांचल प्रवेशिका

भाग-1

लेखक :

डॉ० निरंजन कुमार सिंह
द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
भवानी शंकर उपाध्याय
डॉ० ओम प्रकाश शर्मा
यमुना प्रसाद त्रिपाठी 'धार'
श्याम लाल
विश्वनाथ सिंह
गणेश शंकर चौधरी

पुर्निर्माण

डॉ० टी० आर० सिंह
डॉ० धर्म सिंह
वीरेन्द्र मुलासी
लायक राम 'मानव'
श्याम लाल
विश्वनाथ सिंह
शिवदत्त त्रिवेदी

आवरण एवं कला पक्ष

स्क्रीन प्रिंटिंग इकाई,
साक्षरता निकेतन,
लखनऊ

प्रकाशक :

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन,
लखनऊ–226005 (उ० प्र०)

प्रथम संस्करण–जनवरी 1987
द्वितीय संस्करण–जनवरी 1988
तृतीय संस्करण–अक्टूबर 1988
चतुर्थ संस्करण–जनवरी 1989
पंचम संस्करण–जनवरी 1990

मुद्रक :

भार्गव भूषण प्रेस,
त्रिलोचन, वाराणसी–221001

इस प्रवेशिका के संबंध में

प्रौढ़ शिक्षा के नीति-वक्तव्य में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि प्रौढ़ों के लिए निर्मित पाठ्यक्रम एवं तत्संबंधी पठन-पाठन सामग्री प्रौढ़ के जीवन और उसकी आर्थिक, सामाजिक, भौगोलिक तथा सांस्कृतिक प्राथमिकताओं पर आधारित हो। साक्षरता निकेतन ने अपनी साधन-सीमाओं के अंतर्गत उपर्युक्त मूल भावना का सम्मान करते हुए विभिन्न प्रकार के साहित्य का निर्माण किया है। इसमें निकेतन द्वारा प्रकाशित मूल साक्षरता सामग्री के सेट विशेष उल्लेखनीय हैं। ये सेट विशिष्ट एवं सामान्य लक्ष्य समूहों के लिए विभिन्न साक्षरता-पद्धतियों तथा केंद्रीय एवं राज्य सरकारों की प्राथमिकताओं के आधार पर निर्मित किए गए हैं।

अभी कुछ समय पहले निकेतन ने उत्तर प्रदेश के पर्वतीय अंचलों के लिए 'पर्वत भारती' प्रवेशिका तथा तत्संबंधी मूल साक्षरता सामग्री का निर्माण किया था। प्रौढ़ शिक्षा में संलग्न भाषा-शास्त्रियों और विद्वानों ने पद्धति एवं विषय-चयन की दृष्टि से इस सामग्री की विशेष प्रशंसा की। वर्तमान शिक्षा सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री जगदीश चंद्र पंत ने इस सामग्री के साँचे पर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल तथा बुंदेलखंड अंचलों के लिए विशेष साक्षरता सामग्री निर्मित करने की आकांक्षा व्यक्त की। सच तो यह है कि यह आकांक्षा पूर्वांचल एवं बुंदेलखंड के लिए विशिष्ट सामग्री बनाने की सबल प्रेरणा बनी। एतदर्थ हम उनके अत्यंत आभारी हैं। उत्तर प्रदेश अपने क्षेत्रफल, जनसंख्या, सामाजिक परिवेश, भौगोलिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ऐसे विविध रंगों वाला है कि उसके लिए विशेष लक्ष्य समूहों पर आधारित शिक्षण सामग्री की सार्थकता अधिक है।

निकेतन ने सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के लिएं मूल साक्षरता सामग्री निर्माण-संबंधी कार्य शिविर किया। यह कार्य शिविर पूर्वांचल की सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में आयोजित किया गया। 3 से 10 अक्तूबर, 1986 तक आयोजित इस शिविर में पूर्वांचल प्रवेशिका, अभ्यास पुस्तिका, शिक्षक निर्देशिका तथा तत्संबंधी चार्टों की रूपरेखा तैयार की गई। शिविर की विशेषता थी—इस शिविर में भाग लेने वाले विद्वानों की संख्या और उनकी सहभागिता। यूनेस्को विशेषज्ञ डॉ० बैजनाथ सिंह, प्रौढ़ शिक्षा संस्थान, वाराणसी के संचालक श्री तरुण भाई, प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं शिक्षाविद् श्री ठाकुर प्रसाद सिंह, श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी, डॉ० निरंजन कुमार सिंह, जामिया मिलिया, दिल्ली के डॉ० जयपाल सिंह 'तरंग', राज्य हिंदी संस्थान, उत्तर प्रदेश, वाराणसी के डॉ० मत्स्येंद्र नाथ शुक्ल एवं डॉ० श्यामलाकांत वर्मा का इस शिविर में विशेष सहयोग रहा। प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय की ओर से सर्वश्री राम भरोसे, भवानी शंकर उपाध्याय, डॉ० ओम प्रकाश शर्मा 'अश्वघोष', श्रीमती निर्मला शर्मा, श्रीमती रमा उपाध्याय, श्री बागेश्वर तिवारी, डॉ० देवेंद्र सिंह तथा श्री एस० पी० श्रीवास्तव ने अपने सहयोगियों सहित

सक्रिय सहयोग दिया। निकेतन के सहयोगियों—सर्वश्री यमुना प्रसाद त्रिपाठी 'धार', श्याम लाल, के० जी० सिंह, राजेंद्र श्रीवास्तव तथा विश्वनाथ सिंह ने बड़ी तत्परता से इस कार्य को सफल बनाया।

इस सामग्री की कुछ प्रमुख विशेषताएँ हैं :

- यह पूर्ण रूप से लक्ष्यसमूह के स्थानीय परिवेश से जुड़ी है।
- प्रौढ़ साक्षरता के तीनों आयाम (साक्षरता, चेतना-जागृति एवं व्यावसायिक दक्षता) इस सामग्री के माध्यम से पूरे किए जा सकते हैं।
- इस सामग्री के निर्माण में स्थानीय विषय-विशेषज्ञों, भाषा-शास्त्रियों, विभागीय अधिकारियों तथा प्रौढ़ प्रतिनिधियों का सम्यक् प्रतिनिधित्व हुआ है।
- सामग्री का चित्रांकन एवं पठन-पाठन अभ्यासों का लेखन स्थानीय परिवेश में सम्भव हो सका है।
- सामग्री की रचना के साथ ही इसका पूर्व परीक्षण भी चलता रहा है। विषय, भाषा, पद्धति एवं लक्ष्य-समूह की विशेषताओं संबंधी सारे सुझावों, संशोधनों एवं परीक्षणों का अंतिम रूप है यह प्रवेशिका।

मुझे विश्वास है कि निकेतन द्वारा निर्मित अन्य मूल साक्षरता सामग्री-प्रकाशनों की भाँति इस विशेष सामग्री का भी समुचित उपयोग और सम्मान होगा।

गणेश शंकर चौधरी
निदेशक,
साक्षरता निकेतन,
लखनऊ

दिनांक : दिसम्बर 4, 1986

नए संस्करण की भूमिका

साक्षरता निकेतन द्वारा क्षेत्रीय आधार पर निर्मित सभी प्रवेशिकाओं का व्यापक प्रयोग और स्वागत हुआ है । राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के उपरांत प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्य और कार्यक्रम में कई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं । ये परिवर्तन क्षेत्रीय अध्ययन, अनुभवों, प्रवर्तन एवं मूल्यांकनों पर आधारित हैं । पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण पर भी इन परिवर्तनों का प्रभाव स्वाभाविक है ।

अतः सभी प्रवेशिकाओं को नई नीति के अनुसार एकीकृत रूप में संशोधित एवं पुर्नर्निर्मित किया गया है । कुछ नई प्रवेशिकाएँ भी बनाई गई हैं । इस 'पूर्वांचल प्रवेशिका' के नवीन संस्करण की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं ।

0 यह भारत सरकार एवं प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित एकीकृत विधा के मानकों पर आधारित है ।

0 साक्षरता अथवा गणित का भार नवीन मानकों के अनुसार जहाँ अधिक अनुभव हुआ, वहाँ इस संस्करण में कम किया गया है ।

0 अभ्यास पुस्तिका तथा गणित को प्रवेशिका के साथ ही संलग्न किया गया है ।

प्रत्येक 4 पाठों के उपरान्त एक जाँच पत्र दिया गया है । प्रवेशिका के अन्त में सम्पूर्ण प्रथम भाग के लिए एक मूल्यांकन पत्र है, जिसमें साक्षरता पढ़ाई, लिखाई, गणित सम्बन्धी दक्षता की जाँच हेतु जाँच पत्र दिये गये हैं । अन्त में प्रमाण पत्र का प्रारूप भी है ।

प्रवेशिका के पुर्नर्निर्माण में डॉ० टी० आर० सिह, डॉ० धर्म सिंह, श्री वीरेन्द्र मुलासी, श्री लायक राम 'मानव,' श्री श्यामलाल तथा पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ सिह ने अथक परिश्रम किया । उत्तर प्रदेश सरकार की प्रौढ़ शिक्षा सचिव तथा निदेशक श्रीमती रीता सिन्हा ने हर स्तर पर हमें परामर्श एवं निर्देशन देकर इस कार्य को गरिमा प्रदान की । हम उनके आभारी हैं ।

आशा है, इस प्रवेशिका के माध्यम से प्रौढ़ को साक्षरता, व्यावसायिक दक्षता एवं चेतना जागृति सम्बन्धी आयामों को आत्मसात् करने में अधिक सुविधा होगी । साथ ही प्राप्त दक्षताओं की परीक्षा और परिलेख सम्बन्धी कार्यकलाप भी सुविधा पूर्वक सम्पन्न किए जा सकेंगे ।

आशा है, आप अपने बहुमूल्य सुझाव देकर हमें कृतार्थ करेंगे ।

दिनांक : 5-9-1989

शिव दत्त त्रिवेदी
निदेशक, रा० सं० केन्द्र
साक्षरता निकेतन,
लखनऊ

उत्तर प्रदेश का
पूर्वांचल---
बस्ती
गोरखपुर
देवरिया
आज़मगढ़
बलिया
जौनपुर
गाजीपुर
वाराणसी
मिर्ज़ापुर
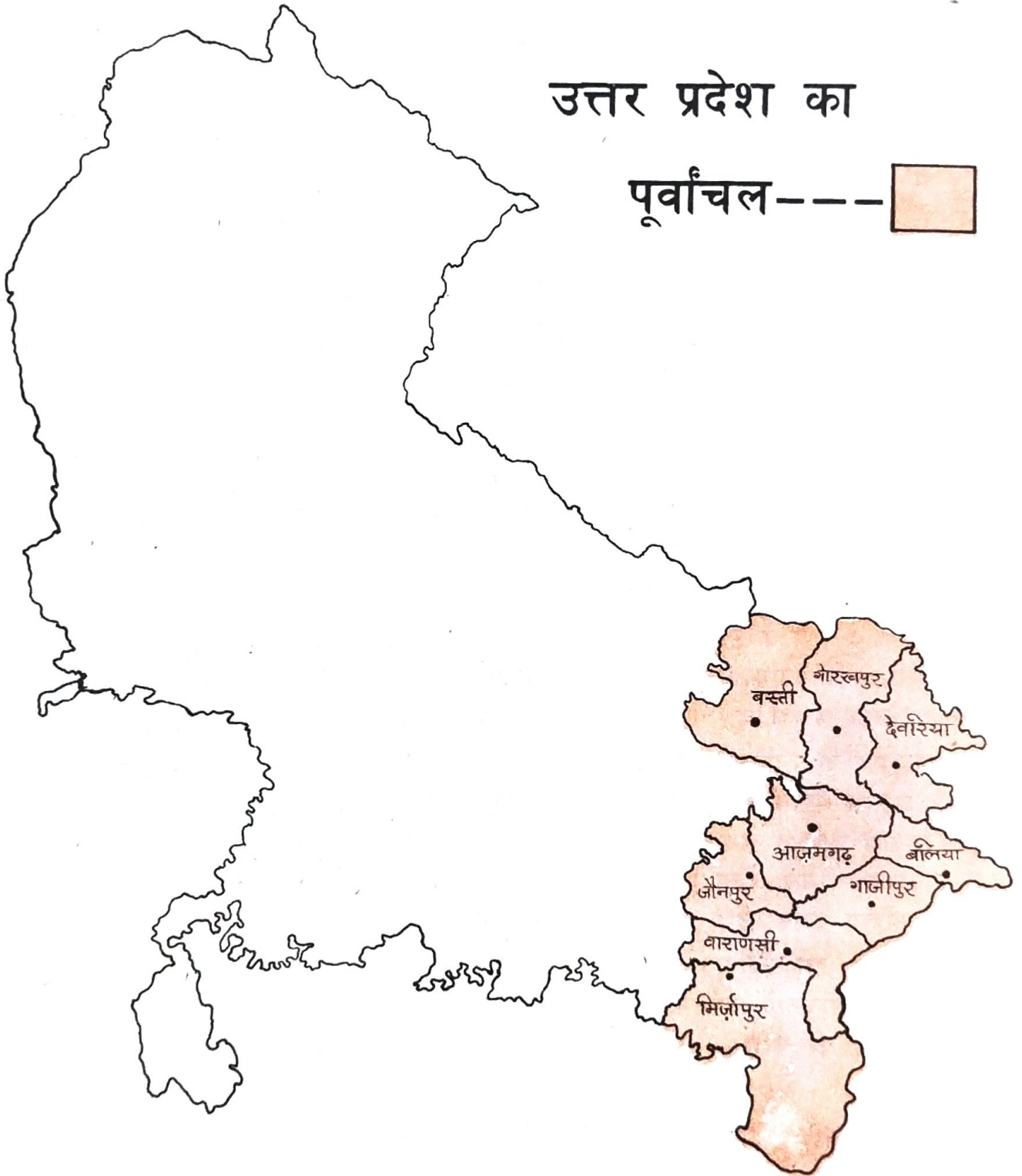
पूर्वांचल प्रवेशिका
(पहला भाग)
पाठ इकाई विवरणिका

पाठ संख्या	मूल शब्द	वर्ण, मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा बिन्दु	रा० सा० मि० में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1.	धान	ध ा न		कृषि : धान की खेती, किस्में, भूमि	कौशल विकास, आर्थिक कार्य०
2.	खाद, पानी	ख, द, प, ी	1 की गिनती	खेती में खाद पानी का महत्त्व	कौशल विकास आर्थिक कार्य०
3.	हल, बैल	ह, ल, ब,	2, 3 की गिनती	खेती के साधन	कौ० वि०, आ० का०
4.	आम, कटहल	आ, म, क, ट	4, 5 की गिनती	बागवानी-आम की किस्में, ऋण-सुविधाएँ, आमदनी, कटहल से लाभ	कार्यात्मक शिक्षा, कौ० वि०, आर्थिक कार्य०

जाँच पत्र–1 (पाठ 1 से 4 तक के लिए)

पाठ संख्या	मूल शब्द	वर्ण, मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा बिन्दु	रा० सा० मि० में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
5.	गाय, बछवा	ग, य, छ. व	6 से 10 तक गिनती	पशुपालन : गाय की अच्छी नस्ल,सरकार से सुविधाएँ	का० शि०,आ० वि० कौ० वि०
6.	कविता-पाठ		11 से 15 तक गिनती	कृषि व पशुपालन	आर्थिक कार्यकलाप
7.	थन, दूध, चारा	थ, च, र, ू	16 से 20 इकाई, दहाई	पशुपालन : दूध का व्यापार, पशुओं की बीमारी, हरा चारा	का० शि०,कौ० वि० आर्थिक कार्यकलाप
8.	सूत, करघा, बुनकर	स, त, घ, ु	21 से 25 तक गिनती	कुटीर उद्योग : हथकरघा, कपड़े की बुनाई/सुविधाएँ	का० शि०, कौ० वि० आर्थिक कार्यकलाप चेतना जागृति

पाठ संख्या	मूल शब्द	वर्ण, मात्राएँ	गणित	विषय एवं चर्चा बिन्दु	रा० सा० मि० में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम

जाँच पत्र–2 (पाठ 5 से 8 तक के लिए)

9.	रेशमी साड़ी, किनारा	े, श, ड़, ि	26 से 30 तक गिनती	कुटीर उद्योग : रेशमी साड़ी उद्योग, सहयोग	का० शि०, कौ० वि०, आर्थिक कार्यकलाप
10.	ऊन, बुनाई, पंजा	ऊ, ई, ं, जा	31 से 40 तक गिनती	कालीन उद्योग : कालीन बुनना, ऊन धागे, सरकारी सहयोग/ सुविधाएँ	का० शि०, कौ० वि०, आर्थिक कार्यकलाप
11.	ढोलक, झाँझ, चौपाल	ढ, ढ़, झ, ो, ौ, ँ	41 से 50 तक गिनती	संगीत वाद्य, मनोरंजन और कला	सांस्कृतिक कार्यक्रम, चेतना जागृति

जाँच पत्र–3 (पाठ 1 से 11 तक के लिए)

प्रमाण पत्र :-

पाठ 1

धान

ध ा न

धन
धान
नाना   नाध   नाधना

ध   न   धा   ना

निर्देश : लकीरें खींचिए –
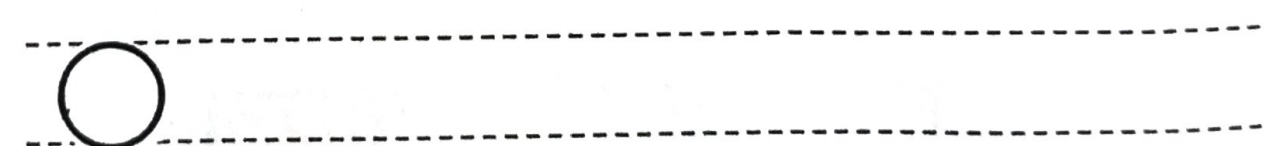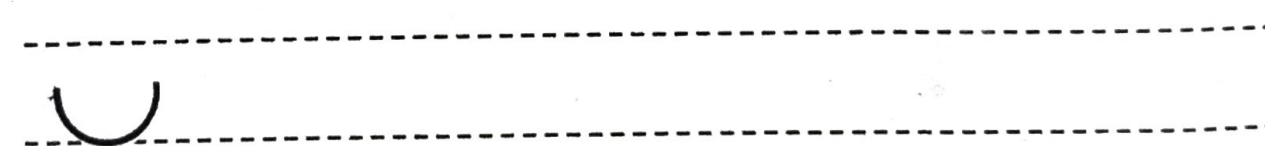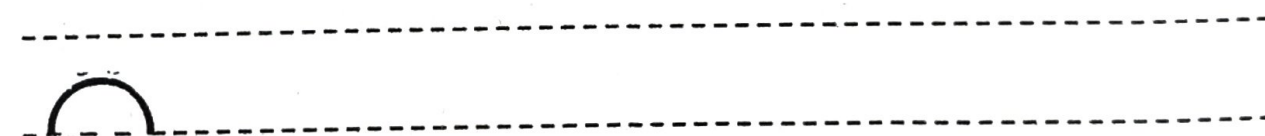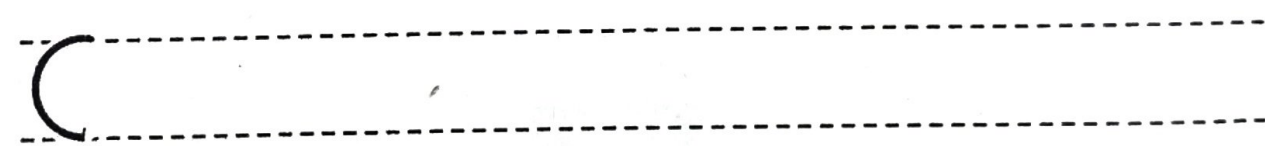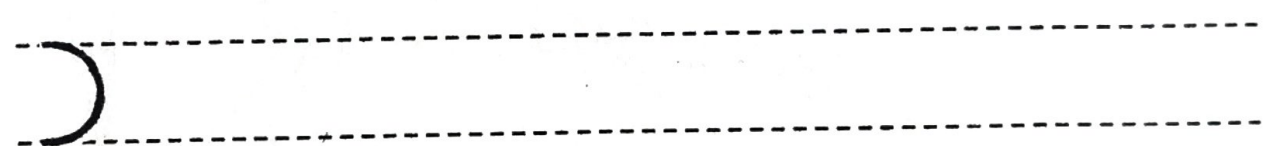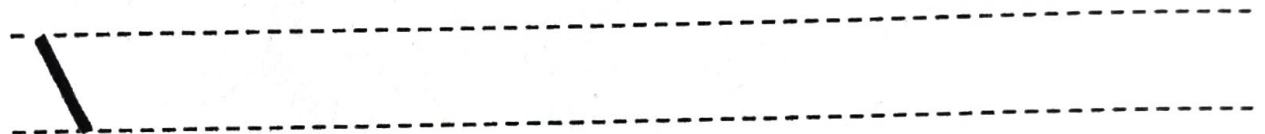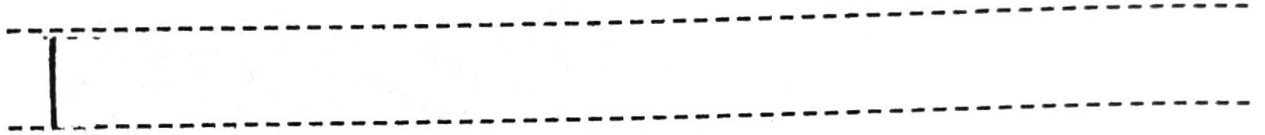
अभ्यास 1

1. पढ़िए :

ध	धा	धन	धान
न	ना	नाना	धान

2. लिखिए :

2\. 1. ध ....

न ....

2\. 2. धन ....

धान ....

नाना ....

पाठ 2
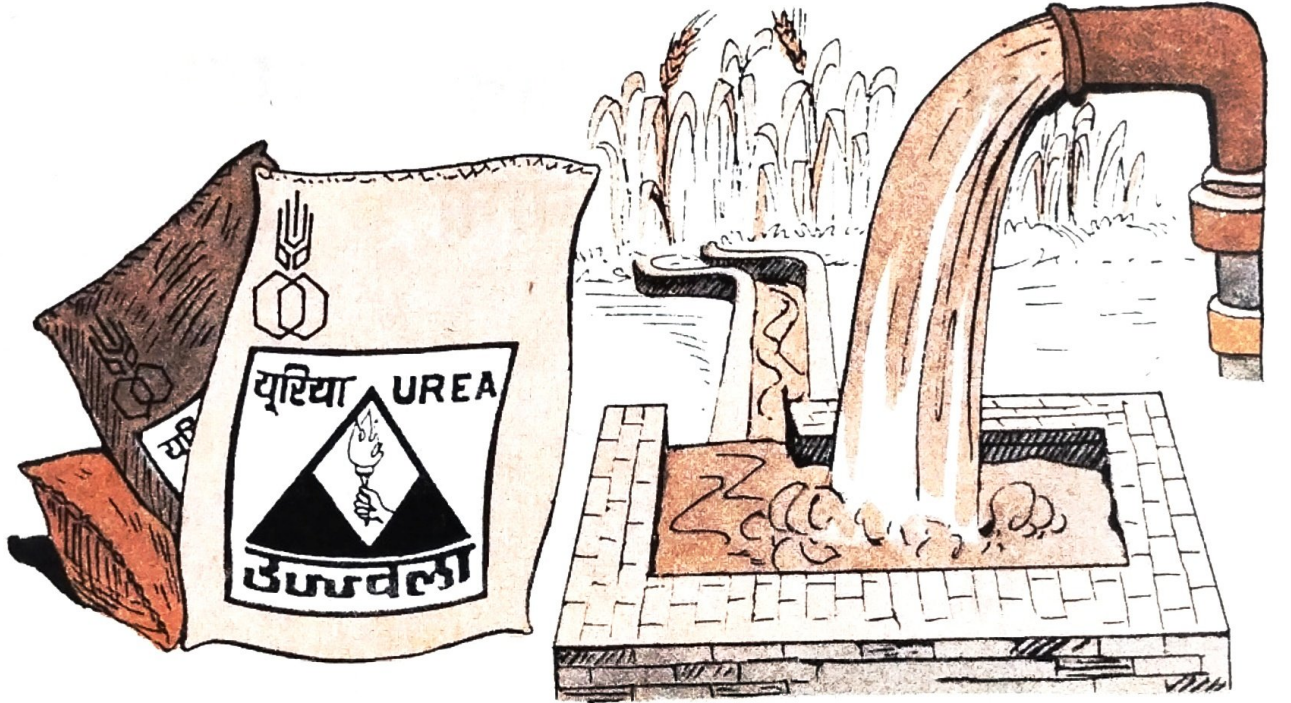
खाद पानी

ख द प ा

ख	खनखन	खान	खाना	नख
द	दान	ननद	खदान	खानदान
प	पद	नाप	नापना	धाप
ी	दीन	दीदी	नदी	धानी

दाना दाद दादा धनी

पान दीप दादी नानी

धन धान।

खान पान।

दाना पानी।

दादा दादी धनी।

नाना नानी धनी।

खानदान धनी।

3

अभ्यास 2

1. पढ़िए :

द	दा	दी	दीन	दादा
प	पा	पी	पान	पानी
ख	खा	खी	खान	खाना

2. लिखिए :

2. 1.

2. 2. **दीप** ....

दाख ....

ननदी ....

3. गिनती पढ़िए और लिखिए :

1 1..............................

पाठ 3

हल बैल

ह ल ब ै
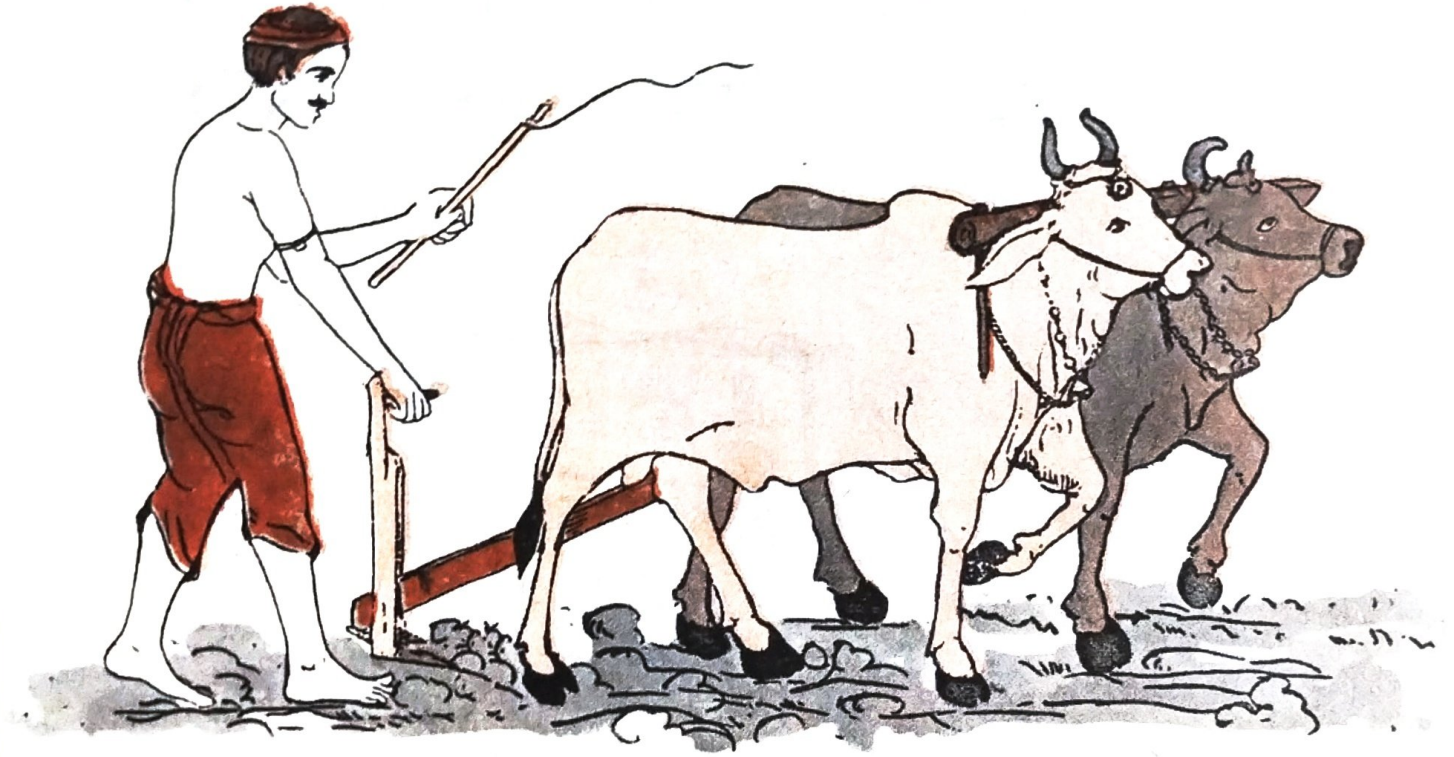
ह	हद	पाहन	दही	पाही
ल	लखन	लीख	नीला	नाली
ब	बल	बादल	लबादा	नाबदान
ै	है	पैदल	पैदा	पैना

लाख पहनना लीला लाली बाल
बाध बदन खैनी पैना बैरी
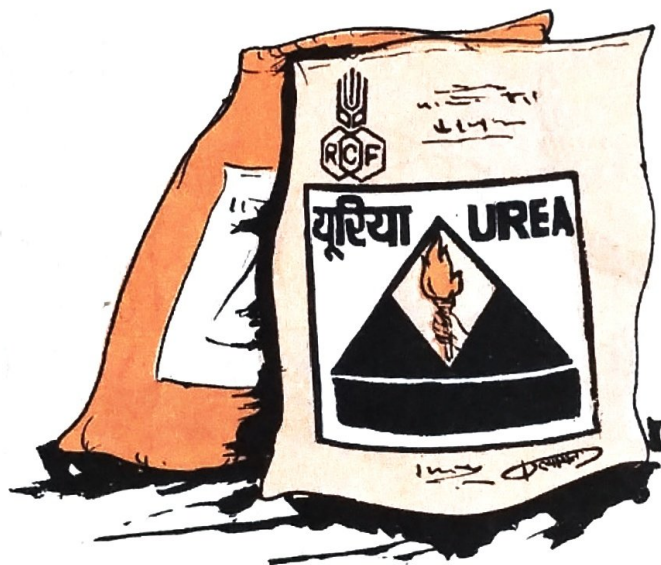
हल है। बैल है। खाद है।
दाल है। दलहन है।
लखन हल ला।
दलीप बैल ला।
लीला खाद ला।

अभ्यास 3

1. पढ़िए :

1\. 1.

ह	हा	ही	है
ल	ला	ली	लै
ब	बा	बी	बै

1\. 2.

बहन	लखन	बीना	दही
पीपल	पैदल	नदी	खील

2. लिखिए :

2\. 1.

2. 2. ' ा ', ' ी ' अथवा ' ै ' की मात्राएँ लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए और फिर से लिखिए :

ख ना ....

प पल ....

पंदल ....

2. 3. दादी दाल ला।

....

बीना पानी ला।

....

लीला दही ला।

....

लखन खाना खा।

....

3. गिनती गिनिए और लिखिए :

2 2 ....

3 3 ....

पाठ 4

आम कटहल

आ म कट

आ	आप	आधा	आदाब	आलपीन
म	मन	मैना	आदमी	आमदनी
क	कल	कीप	मकान	हकीम
ट	टब	टीका	आटा	दालबाटी

आन	आला	आपदा	माला
मीना	माखन	मलमल	काम
कैदी	नट	नमक	टाट

आम का आम
दाम का दाम
कटहल का दाम ही दाम।
आम की आमदनी आलम का धन है।
कटहल की आमदनी माखन का धन है।

अभ्यास 4

1. नीचे कुछ शब्द लिखे हैं। उनमें चौखटे में लिखा हुआ अक्षर ढूँढ़िए और उसके नीचे लकीर खींचिए :

ट	**टहल**	**पाटा**	**कटक**	**टमाटर**
क	**कनक**	**नमक**	**मकान**	**हकीम**
म	**महल**	**आदमी**	**मलमल**	**धाम**
आ	**आपदा**	**आटा**	**आनबान**	**आलपीन**

2. लिखिए :

2. 1. ा उ उ आ आ ....

म म म म ....

क क क क ....

ट ट ....

2. 2. **आदमी** ....

मकान ....

मटकी ....

2\. 3. चित्र देखकर नाम लिखिए :

....

....

2\. 4. ट, क, म और आ जोड़कर नीचे लिखे अधूरे शब्द पूरे कीजिए और उन्हें तीन-तीन बार लिखिए :

...दमी ________ ________ ________

नम... ________ ________ ________

क... ल ________ ________ ________

म...की ________ ________ ________

3\. गिनिए और लिखिए :

4 4 ....

5 5 ....

जाँच पत्र–1 (पाठ 1 से 4 तक के लिए)

1. पढ़िए :

(अ) नाना धान नदी दादी

बादल पैदल दालबाटी आदमी

(ब) हल है, बैल है।

खाद है, पानी है।

आलम का धन आम है।

लाखन का धन कटहल है।

2. नीचे चौखटों में कुछ अक्षर दिए हैं । उन्हें सामने दिए गए शब्दों में खोजिए और चौखटे में बंद कीजिए :

न	कमल	नमक	खाद
द	नाना	आदमी	बादल
ल	कलम	आमदनी	हकीम
म	दालबाटी	कटहल	मटकी
क	कटहल	बादल	नमक

3. समान शब्दों को मिलाइए :

दही	नदी
मैना	धन
धन	मैना
नदी	दही

4. लिखिए :

(अ) हल धनी पैदल आदमी

....

(ब) हल, बैल ही धन है।

....

5. 'ा', 'ी' और 'ै' की मात्रा जोड़कर शब्द बनाइए :

ख द नद पंदल

धन बल मक न

6. छूटी हुई गिनती भरिए :

1		3		5

पाठ 5
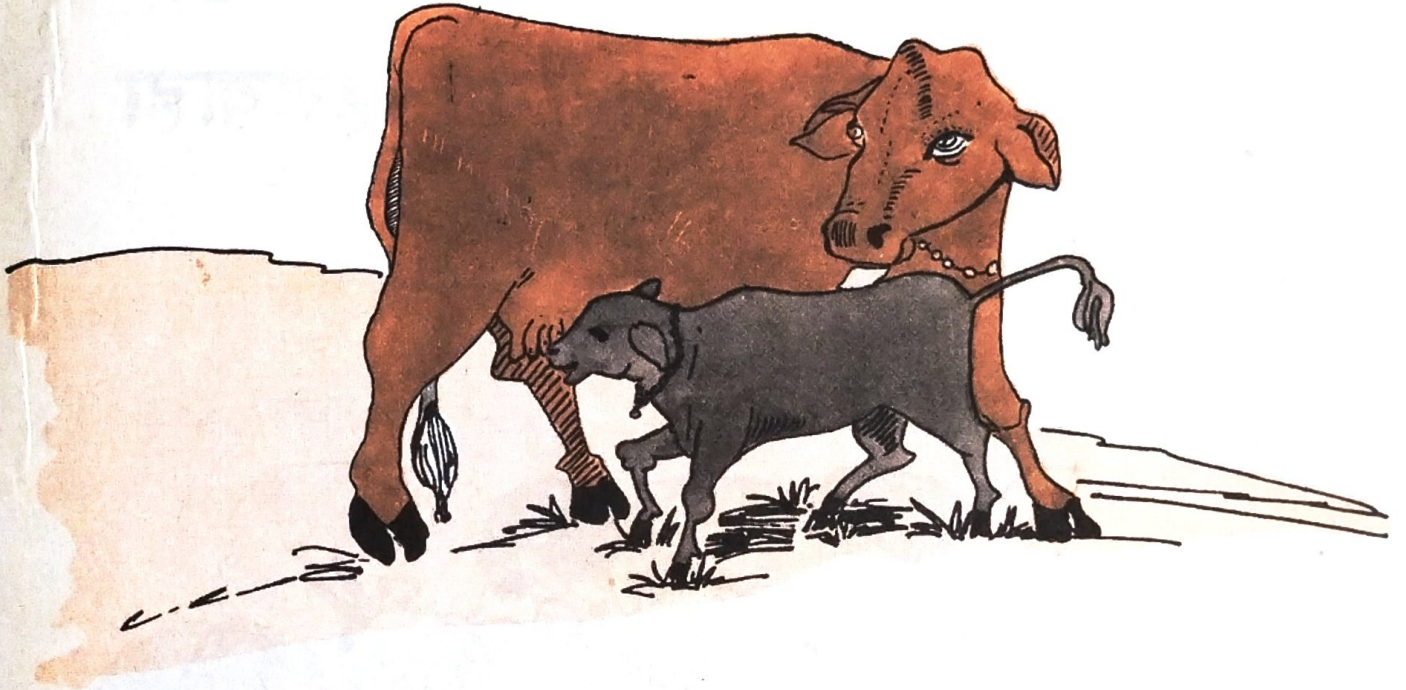
गाय बछवा

ग य छ व

ग	गला	लगान	नगीना	धागा
य	यह	काया	पायल	पयाल
छ	छल	छाछ	मछली	छीलना
व	वन	वाहन	नवीन	गवैया

गहना	गादा	गीला	पायदान
आय	नया	लावनी	कलछी
छानी	पवन	छदाम	हलवाहा

गया धनवान है।
गया का नया मकान है।
गया का बाग है।
यह गया की गाय है।
गाय का बछवा है।
गाय आयी। बछवा छटपटाया।
गया दाना लाया, पानी लाया।
गाय लगायी।
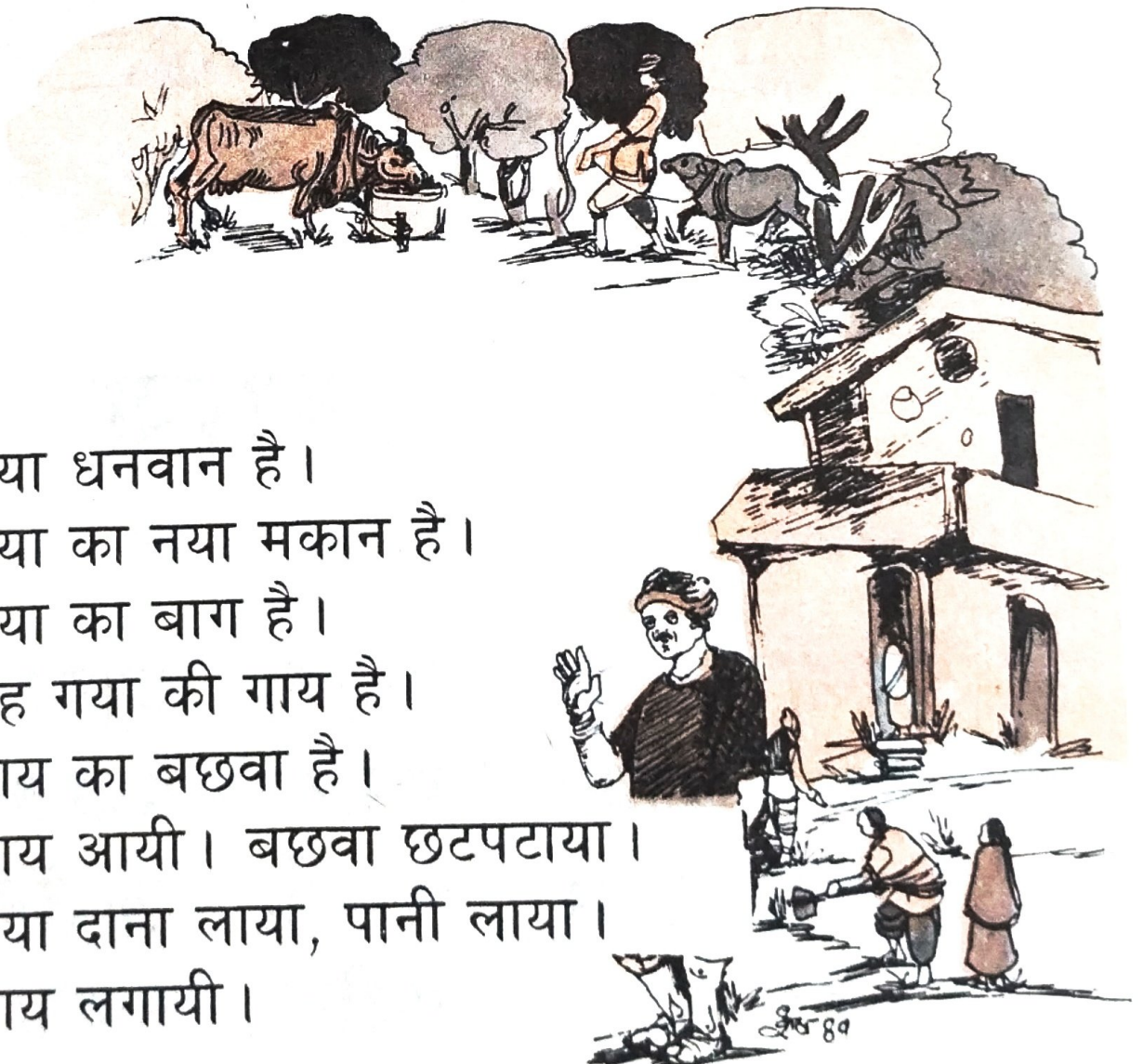
अभ्यास 5

1. चौखटे में लिखा वर्ण सामने लिखे शब्दों में खोजिए और गिनकर लिखिए :

1\. 1.

छ	छाछ	छीमी			......
व	बावन	हलवाहा			......
य	मायका	पायल	माया	नायक	......
ग	नगीना	गगन	लगान	नाग	......

1\. 2. लिखिए :

ग	......	......	य	......	......
व	......	......	छ	......	......

2. मात्राएँ लगाकर लिखिए :

	ा	ि	ै
ग	गा	गि	गै
छ	......	......	......
ह	......	......	......
न	......	......	......
व	......	......	......
य	......	......	......
म	......	......	......

3. पढ़िए और लिखिए :

धनीराम का बाग है। ....

आम का बाग है। ....

कटहल का बाग है। ....

4. गिनती गिनिए और लिखिए :

6 6 ....

7 7 ....

8 8 ....

9 9 ....

10 10 ....

पाठ 6

लखना का धन

खन-खन, खन-खन
खन-खन-खन
गाय बैल लखना का धन।
लखना का है यह पैगाम,
कटहल दलहन कलमी आम।
वाह ! वाह ! लखना का मन,

खन-खन, खन-खन
खन-खन-खन।।

लखना का धन है यह धान,
आया धन बन गया मकान
पग-पग, पग-पग नयी लगन,

खन-खन, खन-खन
खन-खन-खन।।

—अश्वघोष

अभ्यास 6

1. आपने सीख लिया । इन्हें पढ़िए तथा लिखिए :

आ ा ....

क ख ग ....

छ ....

ट ....

द ध न ....

प ब म ....

य ल व ....

ह ....

2. आपने 'ा', 'ी' तथा 'ै' की मात्राएँ भी सीख लीं । अब इन्हें जोड़कर पढ़िए और लिखिए :

क का की कै प ....

ख .... ब ....

ग .... म ....

छ .... ह ....

3. गिनिए और सामने खाली जगह में संख्या लिखिए :

3. 1.

o o o	....	o o o o o	....
o o o o o o o	....	o o o o o o o o o	....
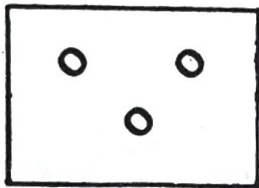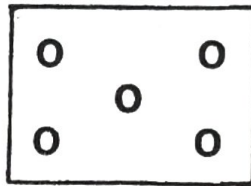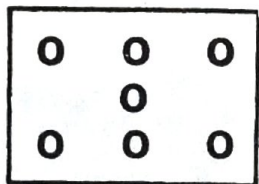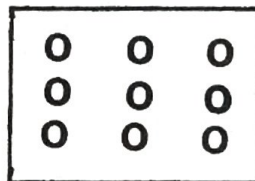
3. 2. खाली जगहें भरकर गिनती पूरी कीजिए :

1........**3**..........**5**..........**7**........**9**........

3. 3. 1 से 10 तक गिनती क्रम से लिखिए :

....

4. 11 से 15 तक की गिनती सीखिए और लिखिए :

11	**12**	**13**	**14**	**15**
—	—	—	—	—
—	—	—	—	—

पाठ 7

थन दूध चारा

थ ू च र
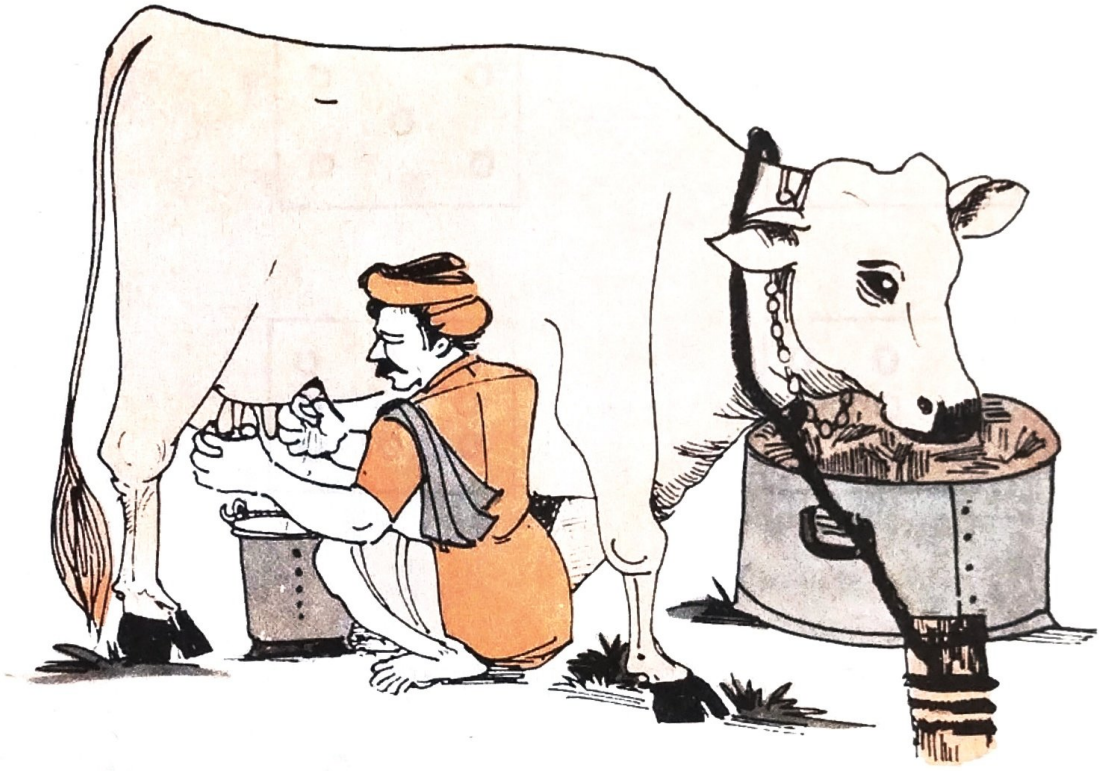
थ	थल	थाली	थैली	हाथी
ू	धूप	कानून	बहू	माहू
च	चमन	चीनी	चैन	चावल
र	रबर	रामलीला	आरी	खपरैल
रू	रूप	रूखा	रूमाल	आबरू

थाना	**मथानी**	**हाथ**	**रहट**
चूना	**धूल**	**मूली**	**गरीब**
आराम	**चाय**	**दूकान**	**मचान**

पूरन की गाय

खली थी, हरा चारा था। पूरन की गाय खा रही थी। बछवा छूट गया। वह थन का दूध पी रहा था। पूरन आया। बछवा हटा लाया। दूध लगाया।

'रामू आ, दूध पी।'

दाना खली हरा चारा,
थन थन बही दूध-धारा।
दूध बनाता है बलवान,
गाय पालना काम महान।

अभ्यास 7

1. 1. वर्णों को पहचान कर उनके नीचे निशान लगाइए :

थ	मथना	थैला	हाथ	थकावट
च	चरखा	आचमन	चावल	चीलर
र	चरही	खपरैल	आराम	रूमाल

1. 2. 'ू' लगाकर पढ़िए और लिखिए :

च	चू	....	....	चरन	....
थ	....	....	....	थनी	....
र	....	....	....	र खा	....

1. 3. पढ़िए और लिखिए :

रामनाथ चरखा ला। ....

आमदनी कर। ....

2. 16 से 20 तक की गिनती सीखिए और लिखिए :

16	17	18	19	20
___	___	___	___	___
___	___	___	___	___

पाठ 8
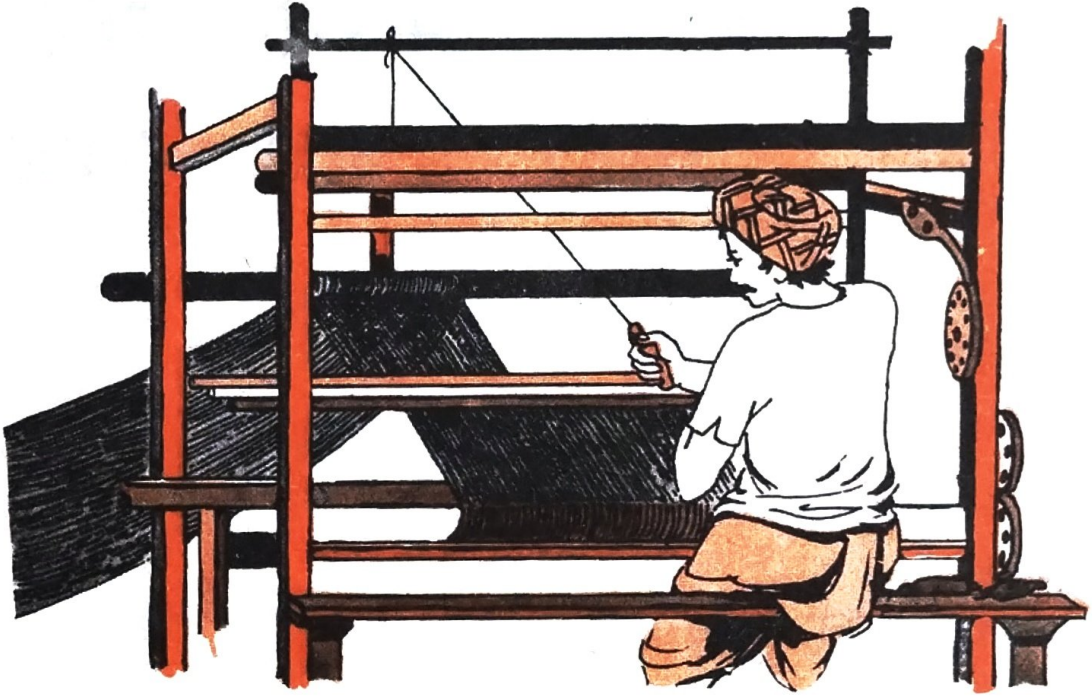
सूत करघा बुनकर

स त घ ु

स	सच	मूसल	रैदास	सूरदास
त	तकली	तीली	तैरना	बैतूल
घ	घर	घी	घूरा	मघा
ु	खुदा	कुदाल	तुलसी	सतुआ
रु	रुपया	रुकना	गुरु	पहरुआ

ताकत साथी कसैला पैसा

घास घर बारात बरसात

बथुआ बुधवार पुआल बाघ

महमूद सुखी बुनकर है ।

घर पर करघा लगा है ।

वह सूत खरीद कर लाता है ।

दरी बुनता है ।

हमीदा कालीन बनाती है ।

करीम खादी बुनता है ।

महमूद का खानदान खूब काम करता है। खूब रुपया कमाता है।

महमूद की तरह काम कर हर आदमी सुखी रह सकता है।

अभ्यास 8

1. 1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और लिखिए :

सामान	सीमा	मासूम	सैलानी
....	....	....	....
घाघरा	घूमना	घाट	बाघ
....	....	....	....

1. 2. ' ु ' अथवा ' ू ' लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए और लिखिए :

बगला .... सरदास ....

सरन .... बखार ....

हलआ .... धनकी ....

2. 1. चित्र को देखकर उसका नाम लिखिए :

....

....

....

....

....

....
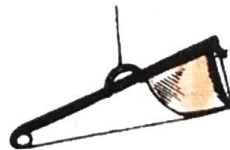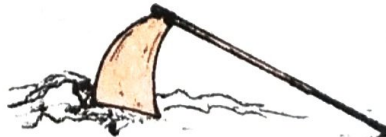
2. 2. पढ़िए और लिखिए :

सीता धान कूटती है । ....

करघा चलाती है । ....

3. 21 से 25 तक की गिनती सीखिए और लिखिए :

21 **22** **23** **24** **25**

___ ___ ___ ___ ___

3. 1. नीचे के चौखटे में छूटी हुई गिनतियाँ लिखिए :

1	2		4	
	7	8		10
11			14	15
	17	18		
21		23	24	

जाँच पत्र–2 (पाठ 5 से 8 तक के लिए)

. पढ़िए :

गया धनवान है।
लखना की गाय काली है।
रामू आ, दूध पी।

2. लिखिए :

तुलसी बहू मछली हलवाहा

______ ____ _______ ________

3. नीचे लिखे अक्षर और मात्राएँ जोड़कर शब्द पूरे कीजिए :

छी घा ु ू

सरदास बथआ कल... कर...

4. चित्रों का नाम लिखिए :

__________ __________ __________ __________
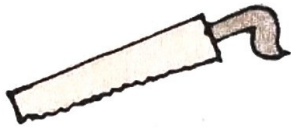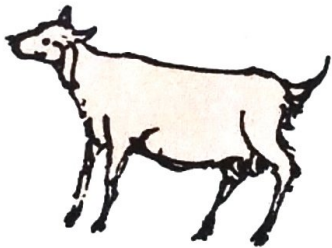
5. छूटी हुई गिनतियाँ लिखिए :

11 — — 14 —

— 17 18 — 20

21 — 23 — 25

पाठ 9

रेशमी साड़ी किनारा

े श ड़ ि
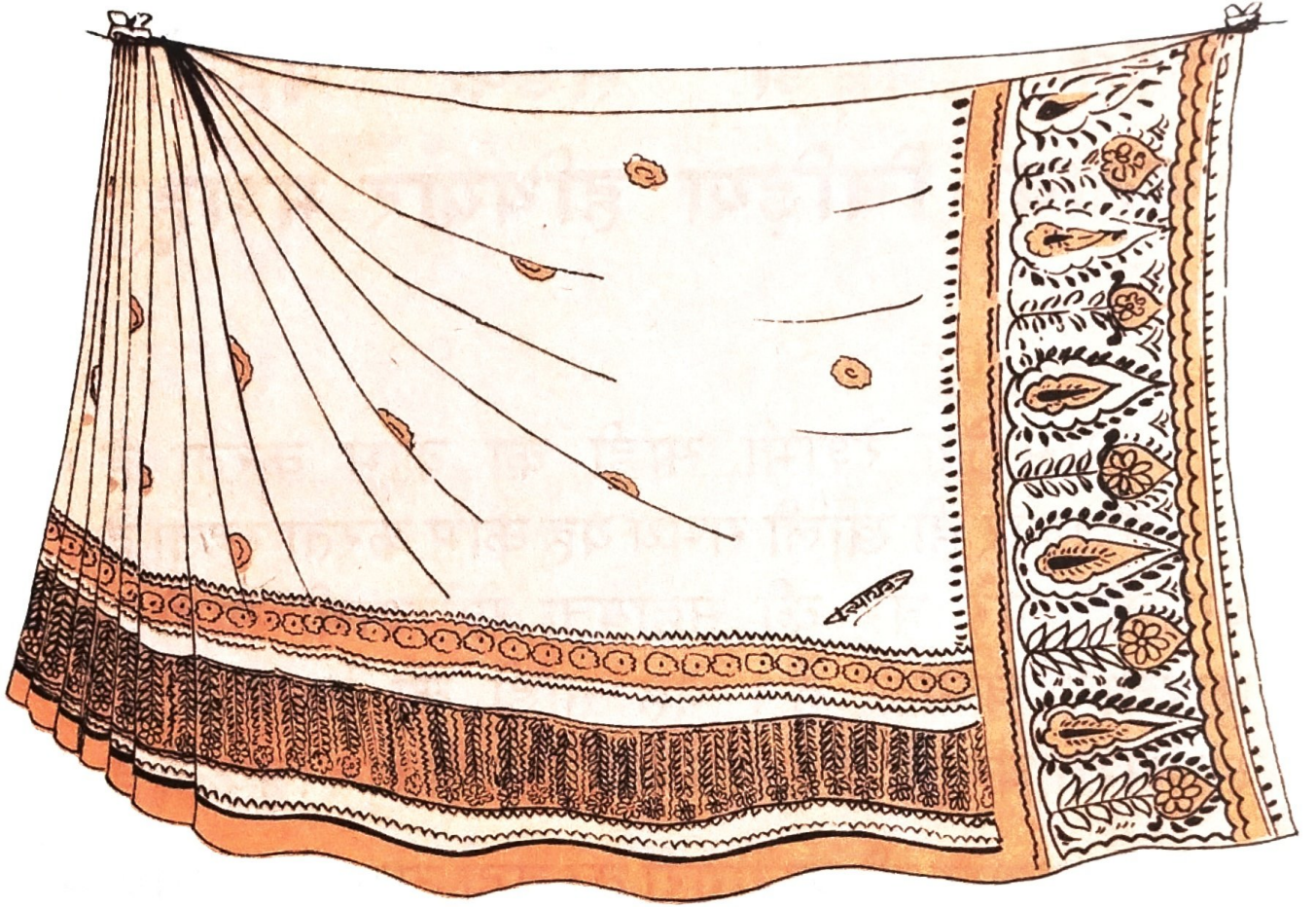
े	रेल	पटेला	सहेली	बेलन
श	शहर	शेर	मशीन	दशरथ
ड़	पेड़	पहाड़	कड़ुआ	बैलगाड़ी
ि	दिन	किसान	खलिहान	मिलावट

शकर शीशम देहरी मेला
लड़की बहेड़ा सड़क पहेली
किताब चिड़िया हथियार मशहूर

शमशेर रेशमी साड़ी का काम करता है। पूरा परिवार ही खाली समय यह काम करता रहता है। शमशेर पूरे घर की सहायता से रेशमी साड़ी का कारबार चलाता है। वह साड़ी की किनारी बड़ी खूबसूरत बनाता है। चमकदार साड़ी खूब बिकती है।

शमशेर की कारीगरी का बड़ा नाम है। आसपास का हर कारीगर शमशेर से साड़ी का काम सीखने आता है।

अपनी कला, अपना हुनर, अपना काम।
दाम का दाम, नाम का नाम।।

अभ्यास 9

1\. 1. नीचे बाईं ओर कुछ वर्ण लिखे हैं। उनके सामने एक गिनती लिखी है। गिनती पढ़कर अक्षर को उतनी ही बार लिखिए :

श	8	....
ड़	7	....

1\. 2. नीचे लिखे वर्णों में 'े' तथा ' ि ' की मात्राएँ लगाइए :

क	के	कि	ध	....	....
श	....	....	न	....	....
फ	....	....	म	....	....

2\. 1. नीचे कुछ शब्द लिखे हैं, पर उनके वर्णों का क्रम बिगड़ गया है। उन्हें ठीक करके लिखिए :

टे प ला	पटेला	ड़ि चि या	....
ता ब कि	....	ल बे न	....
ज र सू	....	का ग री र	....

2\. 2. पढ़िए और लिखिए :

शमशाद रेशमी साड़ी बनाता है।

....

रेशमी साड़ी बहुत कीमती होती है।

....

शमशाद खूब धन कमाता है।

....

धन की बचत करता है।

....

3. 1. 26 से 30 तक की गिनती सीखिए और लिखिए :

26 27 28 29 30

___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___

3. 2. 30 से 21 तक उलटी गिनती लिखिए :

30 ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ 21

पाठ 10

ऊन बुनाई पंजा

ऊ ई ं ज

ऊ	ऊपर	ऊसर	ताऊ	ताऊन
ई	ईख	रईस	कमाई	चिकनाई
ं	गंगा	शंकर	पतंग	सुरंग
ज	जल	गाजर	काजू	जैतून

ऊधव	ईमान	ऊख	मऊ
ईश	चंदन	जिला	सईस
हंस	जनता	जरसी	पसंद

कालीन की बुनाई बनारस तथा आसपास का धंधा है। कालीन जूट, सूत तथा ऊन से बनाया जाता है। जूट, सूत तथा ऊन की रँगाई की जाती है। बुनाई के समय पंजा ऊन सटाने के काम आता है। कालीन बन जाने के बाद उसकी धुलाई की जाती है।

ऊन के बने खूबसूरत रंगीन कालीन की बड़ी कीमत लगाई जाती है। कालीन देश के बाहर खूब बेची जाती है। कालीन का धंधा हमारे देश की आमदनी का बहुत बड़ा जरिया है।

अभ्यास 10

1. 1. नीचे लिखे जिन शब्दों में 'ऊ' 'ई' 'ज' तथा 'ं' आए हैं, उन शब्दों को छाँटकर लिखिए :

बटाई ताऊन चंदन सुरंग ऊसर कमाई
ईमान गाजर चंचल जुलाहा गंगा रजाई

ऊ ....

ई ....

ज ....

ं ....

1. 2. नीचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए और पूरा वाक्य फिर से लिखिए :

दूध हरी खाद

- **सनई से ------ बनती है।**
- **जरसी गाय बहुत ------ देती है।**

____

____

2. मात्राएँ लगाकर पढ़िए और लिखिए :

	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ं
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खं
च								
ट								
त								
र								
स								
श								

3. 31 से 40 तक की गिनती सीखिए और लिखिए :

31 32 33 34 35

36 37 38 39 40

___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___

पाठ 11

ढोलक झाँझ चौपाल

ढ(ढ़)ो झ ँ ौ

ढ	ढकना	ढिलाई	ढेकली	ढैंचा
ढ़	पढ़ना	बढ़ना	बढ़ई	बढ़िया
ो	मोर	सोहर	पड़ोसी	चकोर
झ	झरना	झुमका	झूला	रिमझिम
ँ	गाँव	चाँद	आँगन	हँसना
ौ	लौकी	चौका	पकौड़ी	बिछौना

ढपली	ढंग	पढ़ना	कढ़ाई
सोना	होली	झील	आँख
दाँत	पूँछ	दाढ़ी	दौलत

बरसो, बरसो रे

रात के नौ बजे थे। झगड़ू की चौपाल में ढोलक बजने लगी। चंदर झाँझ बजा रहा था, मुरली ढोलक। कलिया ने गीत गाया, मजा नहीं आया। मजा कहाँ से आता, झगड़ू का साढ़ू तो था नहीं। वही तो कलिया का साथ देता था। पर गाँव की चौपाल में ढोलक बजे, झगड़ू का साढ़ू न आये, यह कैसे हो सकता था। गीत खतम नहीं हुआ था कि साढ़ू आ पहुँचा। चौपाल में घुसने से पहले ही गाना छेड़ दिया—

बरसो, बरसो रे बदरिया सावन की।
सावन की, पिया आवन की।।
बरसो, बरसो रे बदरिया सावन की—

गाते-गाते साढ़ू नाचने लगा। लोग झूमने लगे।

अभ्यास 11

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए तथा हर एक को चार-चार बार लिखिए :

ढाल ....

गाढ़ा ....

चोकर ....

झरबेरी ....

बाँझ ....

मौसम ....

2. चौखटे में से मात्रा चुनकर नीचे लिखे शब्दों को पूरा कीजिए और लिखिए :

ो	ौ	ँ

घ ड़ी .... **प धा** ....

म र .... **बा स** ....

ब तल .... **का च** ....

श कीन .... **द पहर** ....

3. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से खाली स्थानों को भरिए, पूरा वाक्य पढ़िए और लिखिए :

झाड़ी **लढ़िया** **ढैंचा** **चोकर**

- हरी खाद के लिए .... बोया जाता है।

....

- .... से सामान ढोया जाता है।

....

- .... सहित आटे की रोटी खाने से सेहत बनती है।

....

- खरगोश .... में रहता है।

....

4. 1. 41 से 50 तक की गिनती सीखिए और लिखिए :

41 42 43 44 45

46 47 48 49 50

___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___

4. 2. 31 से 50 तक गिनती लिखिए :

31 __ __ __ __ __ __ __ __ __

__ __ __ __ __ __ __ __ __ **50**

जाँच पत्र–3 (पाठ 1 से 11 तक के लिए)

1. एक जैसे अक्षरों और शब्दों को मिलाएँ :

न	आ	थ	ऊ	धान	छाछ	धूप	लौकी
ख	न	घ	थ	खैनी	धान	किसान	धूप
ब	ख	श	घ	आटा	खैनी	पतंग	किसान
आ	ब	ऊ	श	छाछ	आटा	लौकी	पतंग

2. खाली जगहों में सही शब्द चुनकर लिखिए :

मकान बुनकर साड़ी

- चमकदार .... खूब बिकती है।
- महमूद सुखी .... है।
- राम का .... नदी के किनारे है।

पढ़िए और लिखिए :

शमशेर कारीगर है। वह साड़ी बनाता है। सलमा उसकी सहायता करती है। शमशेर, सलमा सुखी हैं। दोनों का छोटा-सा परिवार है।

4. नीचे कुछ शब्द लिखे हैं, पर उनके वर्णों का क्रम बिगड़ गया है। उन्हें ठीक करके लिखिए :

मा ई न .... **ल चौ पा** ....

पि आ न ल .... **न खा न दा** ....

5. नीचे के चौखटे में छूटी हुई गिनतियाँ लिखिए :

31			34	35		37		39	
41		43		45		47	48		50

प्रतिभागी का नाम : .... पता : ....

प्रवेश तिथि : ....

परीक्षा तिथि : ....

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर : ....

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : ....

परियोजना : ....

जिला : .... उत्तर प्रदेश

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/ कुमारी .... सुपुत्र/पत्नी/ सुपुत्री .... ने, सन् .... में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में पूर्वांचल प्रवेशिका भाग-1 को पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक　　　ग्राम प्रधान　　　अनुदेशक

तारीख ....